# Baba’s Praise

9/3/2015

- इसमें कोई हर्जा नहीं क्योंकि सिकीलधे बच्चे हैं अर्थात् 5 हजार वर्ष बाद फिर से आकर मिले हैं। किसको मिले हैं? बेहद के बाप को।

- पारलौकिक बाप तो एक ही बार आकर तुमको अपना बनाते हैं।

- तुम बच्चे जानते हो-हम ही पूज्य, सो फिर कैसे पुजारी बनते हैं। यह बातें और कोई समझ नहीं सकते। बाप ही समझाते हैं इसलिए कहते भी हैं ईश्वर की गत मत न्यारी है।

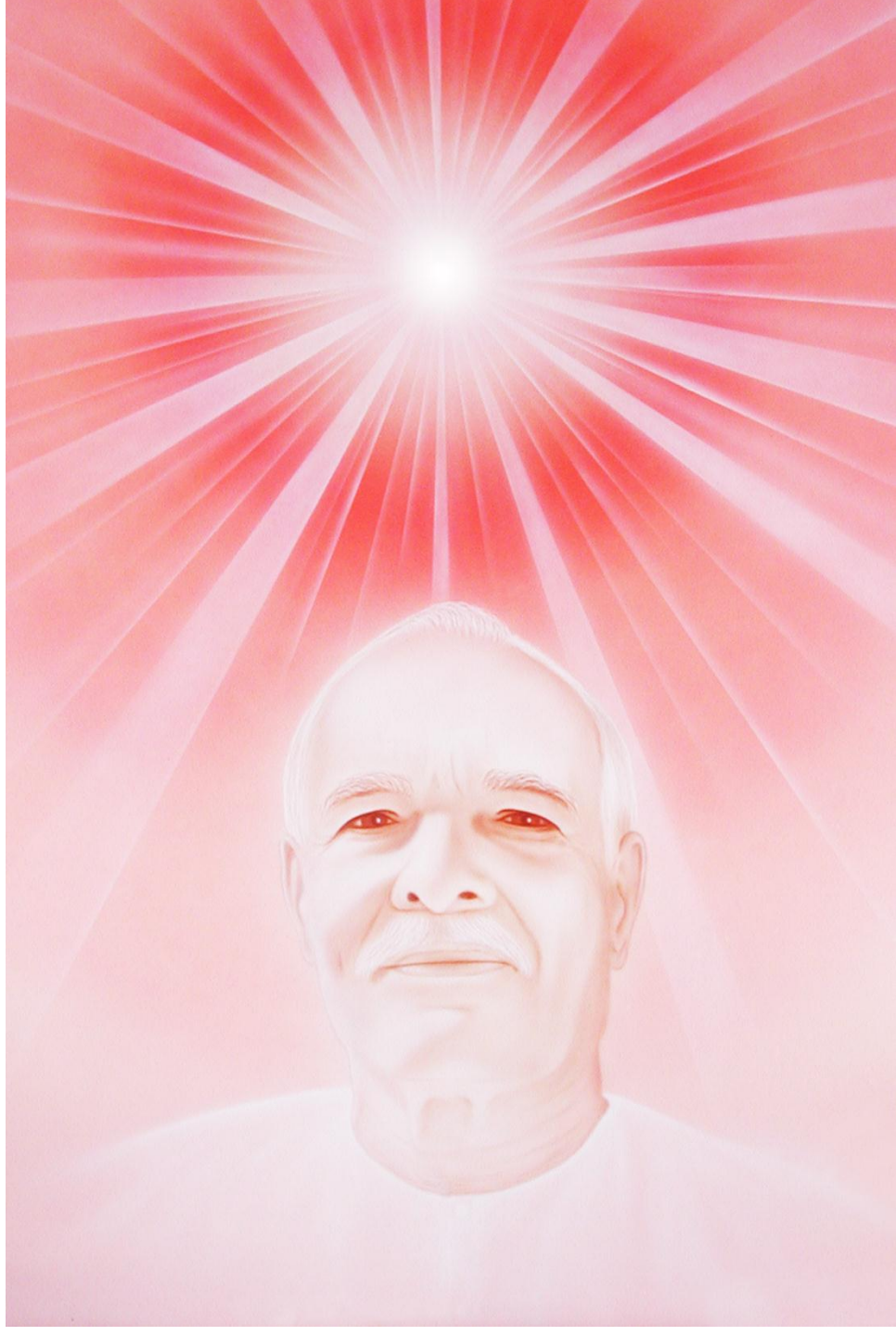

- ईश्वर की मत और गत। गत अर्थात् सद्गति। सद्गति दाता एक ही बाप है।

- तुम राजऋषि हो। ऋषि पवित्र को कहा जाता है। तुमको पवित्र किसने बनाया? उनको बनाते हैं शंकराचार्य, तुमको बना रहे हैं शिवाचार्य।

- रचयिता और रचना का सिमरण करने वाले की शक्ल सदैव हर्षित रहेगी।

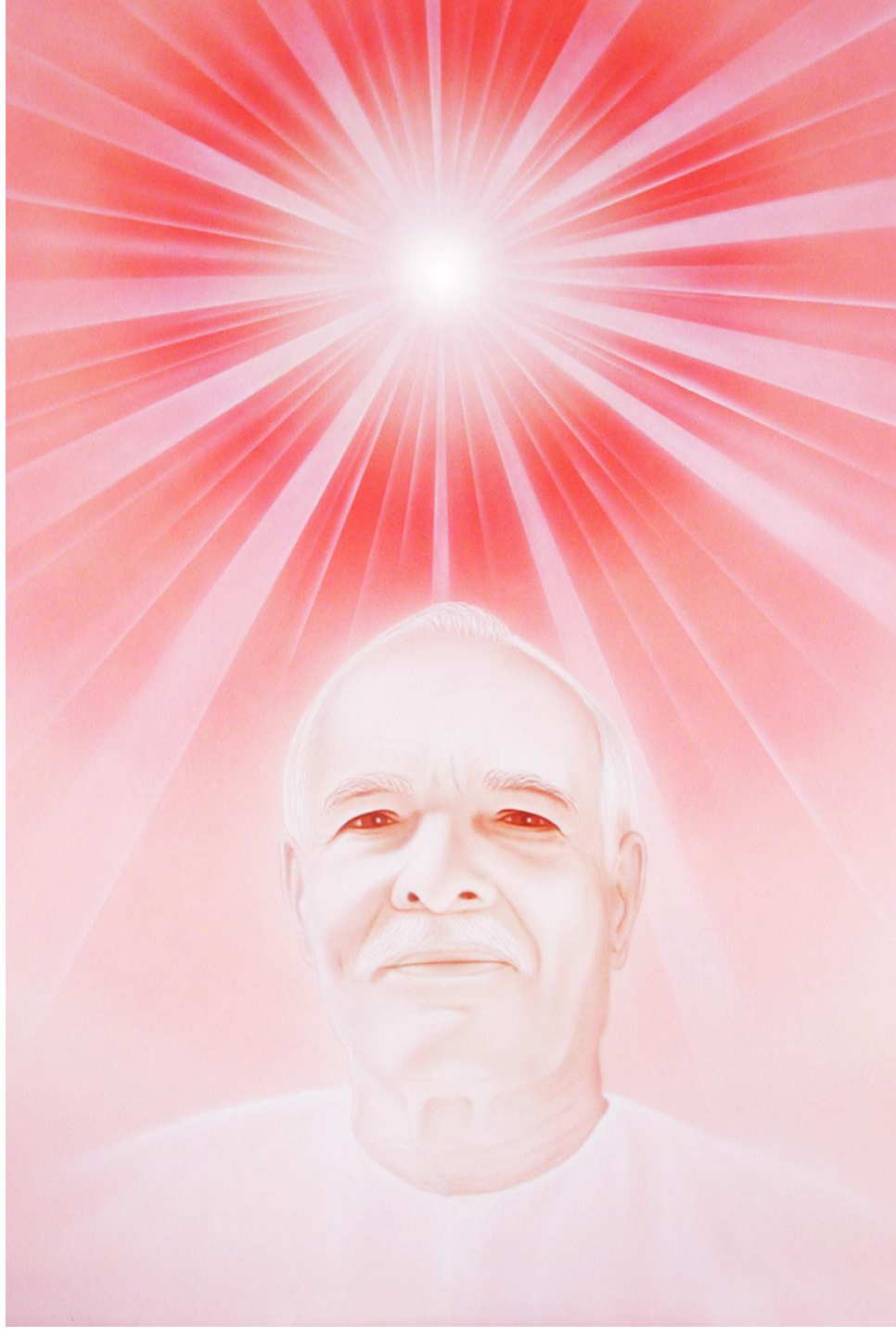

- बुलाते भी हैं-हे पतित-पावन, लिबरेटर हमको दु:ख से छुड़ाओ। बच्चे जानते हैं ड्रामा प्लैन अनुसार विनाश भी होना है।

- अभी तुम बच्चे जानते हो हम सच्ची गीता सुनकर स्वर्गवासी बन रहे हैं।